



नाबारड की जलवायु रणनीति 2030

प्रलिस के ललल:

राषुडरीड कृषल और गुरलमीण वकलस बैक, हरतल वतलतपोषण, गुरलनवलशगल, सौर ऊरुऑ संचललतल सऑलई, जलवलडु-सुडलरुड कृषल

डेनुस के ललल:

नलडलरुड की जलवलडु रणनीतल, हरतल वतलतपोषण से संबंधतल ऑनूतलतलई

[सुरूत: नलडलरुड](#)

ऑरुऑ डें कुरूडू?

हलल ही डें [राषुडरीड कृषल और गुरलमीण वकलस बैक \(NABARD\)](#) ने अडने [जलवलडु रणनीतल 2030](#) दसुतलवेऑ कल अनलवरण कलल, जसलकल उदुदेशुड डलरत की [हरतल वतलतपोषण](#) की आवशुडकतल कुु संबूधतल करनल है ।

नलडलरुड की जलवलडु रणनीतल कलल है?

- **डरऑलड:** नलडलरुड की जलवलडु रणनीतल 2030 ऑलर डुरडुख सुतडूडू के आसडलस संरऑतल है:
 - हरतल ःण डें तेऑी ललनल: वडुडलनल कृषेतुरू डें हरतल वतलतपोषण डुडलने डर धुडलन केंदुरतल करनल ।
 - डलऑलर-नरुडलण की डूडकल: हरतल वतलत के ललल अनुकूल डलऑलर वलतलवरण डनलने डें वुडलडक डूडकल नडलनल ।
 - आंतरकल हरतल डरवलरुतन: नलडलरुड के संचललन के डूडलर सुथलरुड डुरथलरू कुु ललगू करनल ।
 - रणनीतकल संसलधन संघऑन: हरतल डहलू कुु सडरुथन करनने के ललल डुरडलवी डंग से संसलधनू कुु संघऑन करनल ।
- **उदुदेशुड:** डह रणनीतल सुथलरुड डहल के ललल आवशुडक नवलश और हरतल वतलत के वरुतडलन डुरवलह के डूड वतलतलड अंतर से नडलतने के ललल डऑलडन की गई है ।
 - डलरत कुु वरुष 2030 तक सलललनल लगडग 170 डललडलन अडेरकल डूऑलर की आवशुडकतल है, जसलकल कुुल संऑलड लकषुड 2.5 टुरललडलन अडेरकल डूऑलर से अधकल है ।
 - हललूंकल, वरुतडलन हरतल वतलत डुरवलह अडरुडलडुत है, वरुष 2019-20 तक केवल लगडग 49 डललडलन अडेरकल डूऑलर ही ऑुऑलए गलर थे ।
 - इसके अतरलकलत, डलरत डें अधकलश वतलत शडन डुरलडलसू के ललल नरुधलरतल कलल गलल है, अनुकूलन और लऑीलेडन के ललल केवल 5 डललडलन अडेरकल डूऑलर आवंटतल कलल गलर हैं ।
 - डह बैक डुगुडतल और वलणऑलडक वुडवलहलरुडतल डें ऑनूतलतलई के कलरण इन कृषेतुरू डें नुडनतड नऑी कृषेतुर की डलगीदलरी कुु दरुशलतल है ।

नूऑ:

- नलडलरुड डलरत डें गुरलमीण कृषेतुर के वतलत डर धुडलन केंदुरतल करनने वललल शूरष वकलस बैक है ।
- वरुष 1982 डें [राषुडरीड कृषल और गुरलमीण वकलस बैक अधनलडलड](#) के तहत सुथलडतल, डह संसद दवलरल अनवलरुड कृषल, लघु उदुडुगू, कुुऑीर उदुडुगू एवं गुरलमीण डरडुडऑनलरू के ललल वतलतलड सललडतल डुरदलन करतल है ।
- इसकल डुखुडललड डुंडई डें है ।

हरतल वतलतपोषण कलल है?

- **परचिय:** हरति वतितपोषण से तात्पर्य सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव वाले नविशों का समर्थन करने के लिये वित्तीय संसाधनों के संघटन से है।
 - ये नविश **नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं** एवं **ऊर्जा दक्षता पहल** से लेकर स्थायी बुनियादी ढाँचे के विकास और **जलवायु-स्मार्ट कृषि** तक हो सकते हैं।
- **महत्त्व:** पारंपरिक वित्तीय प्रणाली अक्सर दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता पर अल्पकालिक लाभ को प्राथमिकता देती है। हरति वतितपोषण का लक्ष्य इस अंतर को समाप्त करना है:
 - **नमिन-कारबन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को सुवधाजनक बनाना:** नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के लिये वित्त में वृद्धि करके और साथ ही हरति वतितपोषण, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता तथा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में सहायता करता है।
 - **जलवायु अनुकूलन और लचीलेपन को बढ़ावा देना:** बाढ़ सुरक्षा और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों जैसे हरति बुनियादी ढाँचे में नविश समुदायों को बदलती जलवायु के अनुकूल होने तथा प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में सहायता कर सकता है।
 - **नए आर्थिक अवसरों को ढूँढना:** हरति अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और स्थायी प्रथाओं के लिये नए बाज़ार बनाता है, नवाचार व रोज़गार सृजन को प्रोत्साहित करता है।
- **हरति वतितपोषण से संबंधित चुनौतियाँ:**
 - **उच्च प्रारंभिक लागत:** दीर्घकालिक लागत बचत और पर्यावरणीय लाभों के बावजूद, नविशक हरति परियोजनाओं में भाग लेने से हतोत्साहित हो सकते हैं क्योंकि उन्हें आमतौर पर पारंपरिक परियोजनाओं की तुलना में **बड़े प्रारंभिक नविश** की आवश्यकता होती है।
 - **असंगत समयसीमा:** हरति पहल में अक्सर **भुगतान की लंबी अवधि** होती है और यह नविशकों और वित्तीय संस्थानों के अल्पकालिक नविश क्षमतिजि या वित्तीय लक्ष्यों में समायोजति नहीं हो पाती है।
 - **मानकीकरण और ग्रीनवॉशिंग का अभाव:** हरति नविश के लिये विश्व स्तर पर स्वीकृत मानकों की अनुपस्थिति उनके पर्यावरणीय प्रभाव एवं वित्तीय प्रदर्शन के मूल्यांकन में अस्पष्टता और असंगतता का कारण बनती है।
 - इसके अलावा इसमें, स्पष्ट और मानकीकृत मानदंडों के बिना, **ग्रीनवॉशिंग** का जोखिम है, जहाँ **नविश को** पर्याप्त स्थिरता लाभ प्रदान किये बिना **पर्यावरण के अनुकूल** के रूप में गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

हरति वतितपोषण में कैसे सुधार किया जा सकता है?

- हरति परियोजनाओं के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)-संचालित जोखिम मूल्यांकन: AI एल्गोरिदम विकसित करना जो अधिक सटीकता और दक्षता के साथ हरति परियोजनाओं से जुड़े पर्यावरणीय एवं वित्तीय जोखिमों का आकलन कर सकता है।
 - यह पारंपरिक वित्तीय संस्थानों को हरति वतितपोषण में भाग लेने के लिये प्रोत्साहित कर सकता है।
- उपग्रह डेटा-संचालित सतत नविश नरिणय: उपग्रह इमेजरी और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके टिकाऊ कृषि या वनों की कटाई जैसे क्षेत्रों में संभावित नविश के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन कर नविशकों को डेटा-संचालित अंतरदृष्टि प्रदान करके।
- सरकारी गारंटी के साथ हरति अवसर रचना **बॉण्ड:** नजिी नविशकों के लिये जोखिम को कम करने और बड़े पैमाने पर टिकाऊ बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये **आंशिक सरकारी गारंटी** के साथ हरति बुनियादी ढाँचा **बॉण्ड** तैयार करना।
- ज़मीनी स्तर पर हरति पहलों के लिये सूक्ष्म अनुदान: **वर्षा जल संचयन, सौर-संचालित सचिाई,** अथवा **सामुदायिक रूप से खाद** तैयार करने जैसी पहल जैसी लघु-स्तरीय हरति परियोजनाओं को विकसित और लागू करने में स्थानीय समुदायों का समर्थन करने हेतु सूक्ष्म-अनुदान कार्यक्रमों की स्थापना करना।
- **वित्तीय उत्पादों के लिये हरति प्रभाव स्कोर:** एक ऐसी प्रणाली स्थापित करना जहाँ वित्तीय वस्तुओं का मूल्यांकन उनके पर्यावरणीय प्रभाव, या "हरति प्रभाव स्कोर" के अनुसार किया जाता है। यह ग्राहकों को हरति विकल्पों को प्राथमिकता देने और सूचित नरिणय लेने में सक्षम बनाता है।

दृष्टि भेन्स प्रश्न:

हरति अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को सरल बनाने के लिये हम सतत विकास के ढाँचे के भीतर हरति वतितपोषण को कनि रचनात्मक तरीकों द्वारा बढ़ावा दे सकते हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[?/?/?/?/?/?]:

प्रश्न. नवंबर 2021 में ग्लासगो में विश्व के नेताओं के शिखर सम्मेलन में COP26 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में आरंभ की गई हरति ग्रिड पहल का प्रयोजन स्पष्ट कीजिये। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) में यह वचिार पहली बार कब दिया गया था? (2021)

